# 'SUNKUL- मार्ग दर्शन'

## नि:शुल्क टैस्ट सीरिज

## हिन्दी साहित्य का इतिहास-

## आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

पृष्ठ 21 से 40

**(TEST-02)**

**01. असंगत कथन छाँटिए-**

(अ) संवत् 1914 में जब राजा शिवप्रसाद शिक्षा विभाग में इंस्पेक्टर पद पर नियुक्त हुए तो उन्हें मुसलमानों का कड़ा विरोध झेलना पड़ा।

(ब) राजा शिवप्रसाद स्वयं हिन्दी के बहुत बड़े हिमायती थे ।

(स) राजा शिवप्रसाद ने 'राजा भोज का सपना', 'वीरसिंह का वृतांत' तथा 'आलसियों का कोड़ा' की रचना की।

(द) राजा शिवप्रसाद ने संवत् 1918 में आगरा से 'प्रजा हितैषी' नामक पत्र निकाला। (द)

⇨ **उत्तर:- 'प्रजा हितैषी' नामक पत्र राजा लक्ष्मण सिंह ने संवत् 1918 में आगरा से निकाला था।**

**विशेष:-**

**02. असंगत कथन छाँटिए-**

(अ) अंग्रेज विद्वान फ्रेडरिक पिंकाट ने हिन्दी की समृद्धि के लिए विशेष प्रयास किये।

(ब) प. श्रद्धाराम फुल्लौरी ने अपने व्याख्यानों द्वारा हिन्दी भाषा के प्रचार की धूम सी मचा दी थी।

(स) बालकृष्ण भट्ट वर्तमान हिन्दी गद्य के प्रवर्तक माने जाते हैं।

(द) द्विवेदी युग का एक विशेष बिन्दु 'भाषा शुद्धि' का आंदोलन भी कहा जा सकता है। (स)

⇨ **उत्तर:-वर्तमान हिन्दी गद्य के प्रवर्तक भारतेन्दु माने जाते हैं।**

**03. 'रसरत्न' के रचयिता है ?**

(अ) पुहकर (ब) दूलह

(स) रूपसाहि (द) पद्माकर (अ)

⇨ **उत्तर-पुहकर**

**-'रसरत्न'- प्रबंध काव्य है।**

**04. सैयद गुलाब नबी ने 'अंगदर्पण' व 'रसप्रबोध' ग्रंथों की रचना किस नाम से की है ?**

(अ) रसनिधि (ब) रसलीन

(स) भट्ट (द) कविराज (ब)

⇨ **उत्तर- रसलीन**

**विशेष:-**

| | |
|---|---|
| - सबल सिंह | - महाभारत |
| - गुरुगोविन्द सिंह | - चण्डी चरित्र |
| - लाल कवि | - छत्र प्रकाश |
| - सरयू राम | - जैमिनी पुराण |
| - सूदन | - सुजान चरित्र |
| - हरनारायण | - माधव कामकंदला |
| - ब्रजवासी दास | - ब्रज विलास |
| - श्रीधर | - जंगनामा |
| - चंदशेखर | - हम्मीर हठ |

**05. रचनाकार व रचना का असंगत क्रम छाँटिए -**

(अ) रघुनाथ- रसिकमोहन

(ब) दूलह कवि- कविकुलकंठाभरण

(स) शिवसहाय दास- लोकोक्ति रसकौमुदी

(द) रूपसाहि- रसतरंगिणी (द)

⇨ **उत्तर- रूपसाहि की रचना रूपविलास रसतरंगिणी के रचनाकार शम्भुनाथ मिश्र है।**

**06. रचनाकार व रचना का असंगत क्रम छाँटिए -**

(अ) शम्भुनाथ मिश्र- रसकल्लोल

(ब) शम्भुनाथ मिश्र- रसतरंगिणी

(स) शम्भुनाथ मिश्र- अलंकार दीप

(द) शम्भुनाथ मिश्र- रामरसायन (द)

⇨ **उत्तर-रामरसायन- पद्माकर भट्ट**

**07. असंगत कथन छाँटिए-**

(अ) बाबू देवकीनंदन के 'चन्द्रकांता' और 'चन्द्रकांता संतति' उपन्यासों का शुक्ल ने उच्च कोटि की साहित्यिक रचना माना है।

(ब) पं. किशोरी लाल गोस्वामी ने जितने भी उपन्यास लिखे थे वे सब जनता के चित्त पर चढ़ गये।

(स) गेटे के 'फाउस्ट' नामक प्रसिद्ध नाटक का अनुवाद भोलानाथ शर्मा ने किया था।

(द) मिस्र में भारतीय सेना की विजय पर रचित कविता 'विजयिनी वैजयंती'। (अ)

⇨ **उत्तर:- शुक्ल ने इन रचनाओं को साहित्यिक कोटि में नहीं माना है।**

**08. जयपुर नरेश प्रताप सिंह ने 'कविराज शिरोमणि' की उपाधि किसे प्रदान की थी ?**

(अ) पद्माकर भट्ट (ब) बिहारी

(स) प्रतापसाहि (द) सूदन (अ)

⇨ **उत्तर- पद्माकर भट्ट**

**09. रचनाकार व रचना का असंगत क्रम छाँटिए -**

(अ) छत्रसिंह- विजय मुक्तावली

(ब) जोधराज- हम्मीर रासो

(स) गुमान मिश्र- नैषध चरित

(द) सूदन- बैताल पचीसी (द)

⇨ **उत्तर-बैताल पचीसी- देवीदत्त की रचना है।**

**10. नाभादास द्वारा सन् 1603 ई. में रचित 'अष्टयाम' की भाषा है ?**

(अ) अपभ्रंष गद्य (ब) ब्रजभाषा गद्य

(स) खड़ी बोली (द) मैथिली (ब)

⇨ **उत्तर- ब्रजभाषा गद्य**

SUNKUL मार्गदर्शन

**11. रचनाकार व रचना का असंगत क्रम छाँटिए -**
(अ)चन्द्रशेखर- हम्मीर हठ
(ब)श्रीधर- जंगनामा
(स)पद्माकर- बैताल पचीसी
(द)ब्रजवासी दास- ब्रज विलास (स)
⇨ **उत्तर- बैताल पचीसी देवदत्त की रचना है।**

**12. हरिषेणाचार्य रचित 'जैन पद्मपुराण' का भाषानुवाद किसने किया था ?**
(अ)रामप्रसाद निरंजनी (ब)दौलतराम
(स)गिलक्राइस्ट (द)लल्लूलाल (ब)
⇨ **उत्तर- दौलतराम**

**13. उर्दू के शायर जो दिल्ली के उजड़ने पर लखनऊ और मुर्शिदाबाद में आकर बस गये ?**
(अ)मुंशी सदासुखलाल (ब)सदल मिश्र
(स)लल्लूलाल (द)इंशाअल्लाखाँ (द)
⇨ **उत्तर- इंशाअल्लाखाँ**

**14. लल्लूलाल रचित प्रेमसागर पुस्तक में भागवत के किस स्कंध की कथा वर्णित है ?**
(अ)पंचम स्कंध (ब)सप्तम स्कंध
(स)नवम स्कंध (द)दशम स्कंध (द)
⇨ **उत्तर- दशम स्कंध**

**15. लल्लूलाल रचित ग्रंथ नहीं है ?**
(अ)सिंहासनबत्तीसी, बैतालपचीसी
(ब)माधवविकास, माधोनल
(स)शंकुतला नाटक, समविलास
(द)जैमिनी पुराण, विजय मुक्तावली (द)
⇨ **उत्तर- जैमिनी पुराण, विजय मुक्तावली।**

**16. संवत् 1866 में 'नये धर्मनियम' नाम से ईसाई धर्म के नियमों का अनुवाद किसने प्रकाशित किया ?**
(अ)गिलक्राइस्ट (ब)ग्रियर्सन
(स)विलियम केरे (द)जॉर्ज विनसैट (स)
⇨ **उत्तर- विलियम केरे**

**17. सदल मिश्र कहाँ के निवासी थे ?**
(अ)उत्तरप्रदेश (ब)बिहार
(स)मध्यप्रदेश (द)दिल्ली (ब)
⇨ **उत्तर-बिहार**

**18. पण्डित बंशीधर ने हिन्दी और उर्दू का एक सम्मिलित पत्र निकाला जिसके हिन्दी कॉलम का नाम 'भारतखण्डामृत' था। इसके उर्दू कॉलम का नाम क्या था ?**
(अ)आबेहयात (ब)आबोहवा
(स)बोली-ए-वतन (द)उर्दू-ए-मुअल्ला (अ)
⇨ **उत्तर- आबेहयात**

**19. ''हमारे मत में हिन्दी और उर्दू दो बोली न्यारी-न्यारी हैं परन्तु यह आवश्यक नहीं की अरबी फारसी के शब्दों के बिना हिन्दी न बोली जाये।'' उपर्युक्त कथन किसका है ?**
(अ)राजा लक्ष्मणसिंह (ब)राजा शिवप्रसाद
(स)बाबू नवीनचन्द्र राय (द)भारतेन्दु (अ)
⇨ **उत्तर- राजा लक्ष्मणसिंह**

**विशेष:-**
- **राजा लक्ष्मणसिंह ने 'अभिज्ञान शाकुंतलम' का अनुवाद भी किया था।**

**20. 'ज्ञानप्रदायिनी पत्रिका' किसने निकाली थी ?**
(अ)राजा लक्ष्मणसिंह (ब)राजा शिवप्रसाद
(स)बाबू नवीनचन्द्र राय (द)भारतेन्दु (स)
⇨ **उत्तर- बाबू नवीनचन्द्र राय**

**विशेष:-**
- **'ज्ञान प्रदायिनी' पत्रिका में उनके व्याख्यानों में भारतीय आस्था और अस्मिता का गौरव-गान जिस प्रकार की ओजस्विनी हिन्दी भाषा में किया जाता था,उससे चिढ़कर अनेक इस्लामी और ईसाई विद्वानों ने उनका विरोध भी किया था।**

**21. पंजाब में हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार किसने किया ?**
(अ)राजालक्ष्मण सिंह (ब)स्वरूप सिंह
(स)छत्रसिंह (द)बाबू नवीनचन्द्र राय (द)
⇨ **उत्तर- पंजाब में हिन्दी भाषा का प्रचार करने वाले बाबू नवीनचन्द्र राय व श्रद्धाराम फुल्लौरी थे।**

**22. बाबू गोपाल राम गहमरी का नाटक नहीं है ?**
(अ)बनवीर (ब)देशदशा
(स)महाराणा प्रताप (द)विद्या विनोद (स)
⇨ **उत्तर- महाराणा प्रताप**

**23. 'चौपट चपेट' और 'मयंकमंजरी' नाटक किनके है ?**
(अ)राधाकृष्ण दास (ब)किशोरी लाल गोस्वामी
(स)लाला श्रीनिवास दास (द)सत्यनारायण कविरत्न(ब)
⇨ **उत्तर- किशोरी लाल गोस्वामी**

**24. असंगत कथन छाँटिए-**
(अ) आचार्य शुक्ल जी ने नई धारा की कविता का द्वितीय उत्थान पं. श्रीधर पाठक की 'एकांतवासी योगी' शीर्षक रचना से माना है।
(ब) 'चित्तौड' और 'पानीपत' कविताएँ भारतेन्दु रचित है।
(स) कहाँ करुणानिधि केसव सोये- भारतदुर्दशा
(द) फरकि उठि सब की भुजा, खरकि उठी तलवार-विजयिनी वैजयंती (स)
⇨ **उत्तर:- कहाँ करुणानिणि केसव सोये-विजयिनी वैजयंती।**

**25. नाटकों से संबंधित असंगत कथन छाँटिए-**
(अ)गोविन्द वल्लभ पंत रचित 'वरमाला' में मार्कण्डेय पुराण की कथा है।
(ब) बद्रीनाथ भट्ट रचित 'राजमुकुट' में पन्नाधाय के त्याग की कथा है।
(स)जी.पी. श्रीवास्तव ने मोलियर के फ्रांसीसी नाटकों के हिन्दुस्तानी अनुवाद किये।
(द) पं. लक्ष्मीनारायण मिश्र रचित नाटक-सिन्दुर की होली, राक्षस का मंदिर व आधीरात है। (ब)
⇨ **उत्तर:- राजमुकुट नाटक- गोविन्द वल्लभ पंत रचित है।**

SUNKUL मार्गदर्शन